Geography by Ajit Sir

Model Answer

प्रश्न : भारतीय कृषि में संवृद्धि एवं उत्पादकता की प्रवृत्तियों की व्याख्या कीजिए। देश में उत्पादकता में सुधार लाने और कृषि आय को बढ़ाने के उपाय भी सुझाइए।

भारत कृषि प्रधान देश है। इसकी अर्थव्यवस्था काफी बड़ी भूमिका है यह सबसे बड़ा आजीविका प्रदान करने वाला साधन भी है। कृषि बहुत से उद्योगों के कच्चे उत्पादकों का जनक भी है। इन सबके बावजूद कृषि संवृद्धि की प्रवृति अत्यन्त धीमी है।

भारत में कृषि संवृद्धि आजादी से 1965-65 तक 2.7 प्रतिशत की औसतन वृद्धि दर तक रहीं। वर्ष 1961-81 तक अनेक भू-सुधार कार्यक्रमों के द्वारा औसत वृद्धि 3.0 प्रतिशत जबकी

1990-91 = 3.5%

1990-2000 = 2.5% तक घटती रही।

2017-18 में = 2.1%

उपर्युक्त आकड़ों के आधार पर देखे तो भारत में कृषि संवृद्धि दर लगभग घट रही है।

भारत में कृषि की उत्पादकता को प्रति इकाई भूमि पर उत्पादित फसलों की कुल संख्या में परिभाषित किया गया है। यह निम्न कारकों पर निर्भर रहती है

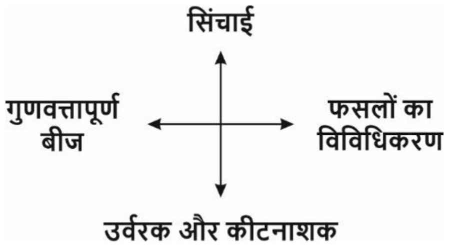

भारत में कृषि उत्पादकता बढ़ाने हेतु सरकार की पहल

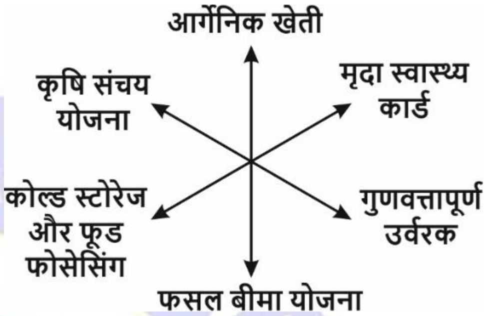

उपरोक्त के अलावा भारत सरकार ने कृषि उत्पादकता बढ़ाने के साथ पोषण सुधार हेतु कृषि में बदलाव कर रही हैं। जैसे-

- स्मार्ट कृषि को अपनाना
- MSP की दर को बढ़ाना
- कृषि के साथ पशुपालन, मुर्गीपालन, बागवानी इत्यादि को बढ़ावा देना
- श्री अन्न फसलों का उत्पादन बढ़ाना
- हरित क्रान्ति का विस्तार करना
- कृषि अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देना जैसे कि : मेरा गांव मेरा गर्व मिशन - 2050, M-किसान पोर्टल, किसान, किसान सुविधा एप्प और पूसा कृषि एप्प को बढ़ावा देना।

प्रश्न : सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रम की नयी परिभाषा दीजिए। भारत में औद्योगिक विकास को तीव्र करने और 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' की सफलता को सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका की आलोचनात्मक व्याख्या करें?

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को ऐसा उद्योग कहा जाता है, ''जिसमें काम करने वालों की संख्या एक सीमा से कम हो, तथा इनका उत्पादन और

वितरण भी एक सीमा तक होता हो। ये क्षेत्र 'अर्थव्यवस्था की रीढ़' माने जाते हैं।

भारत के प्रधानमंत्री मोदी जी के अध्यक्षता में केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की बैठक में 13 मई 2020 को सेक्टर की नयी परिभाष दी :

प्रकार	**निवेश**	**सालाना टर्न ओवर**
सुक्ष्म उद्यम	1 करोड़ रुपए	5 करोड़ रुपए
लघु उद्यम	10 करोड़ रुपए	50 करोड़ रुपए
मध्यम उद्यम	50 करोड़ रुपए	250 करोड़ रुपए

इस नयी परिभाषा के दौरान यह सुनिश्चित किया गया की

- COVID-19 महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था को उभारने में मदद करेगा।
- यह V-आकार की रिकवरी करने में मदद करेगा तथा Make-in-India जैसी पहल को लाभ प्रदान करेगा।
- वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुकूल बनाने का लक्ष्य रखा गया है।
- इसे आर्थिक पैकेज देकर इसका विस्तार किया जायेगा।
- इसमें निम्न सुधार किये गए हैं-

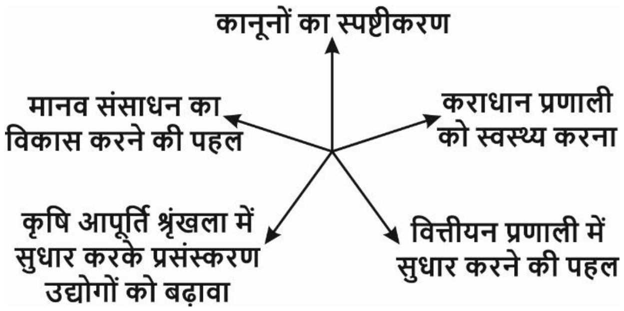

MSME द्वारा आत्मनिर्भर भारत के सपने को हासिल करने में निम्न तरीके अपनाने की जरूरत है :

- इंडिया ब्राण्ड इक्विटी फाउंडेशन रिपोर्ट के अनुसार GDP में MSME का योगदान वर्ष 2019 के बाद लगातार बढ़ रही है।
- निर्यात में की MSME हिस्सेदारी बढ़ाना जिससे व्यापार संतुलन हो सके। वर्तमान में GI Tag और फुड प्रोसेसिंग तथा सेवा सेक्टर में 45 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी देखी गई है।
- MSME को अधिक समावेशी बनाना : भारत में कुल 11 करोड़ का रोजगार सृजन हुआ। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 42 प्रतिशत से ज्यादा रोजगार इसी क्षेत्र से है।
- विनिर्माण क्षेत्र में भारत को 2025 तक 5 ट्रिलियर डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने में यह सेक्टर अत्यन्त विकल्प प्रदान करेगा और इस हेतु E-कामर्स और GeM को बढ़ावा देना पड़ेगा।
- सेवा क्षेत्र में यह भारत का सबसे बड़ा सेक्टर है। का 33 प्रतिशत विनिर्माण में, 67 प्रतिशत सेवा सेक्टर में शामिल हैं।

MSME में उत्पन्न चुनौतियां

- वित्तीय चुनौतियां
- औपचारीकरण में अनियमितताएं
- तकनीकी समस्या
- नियामकीय बाधाएं
- उत्पादन और वितरण की चुनौतियां

आगे की राह

- बॉण्ड मार्केट का विकास और भागीदारी को बढ़ावा
- MSME के लिए स्वतंत्र नियामकीय व्यवस्था की स्थापना
- श्रम कानूनों और निकायों में सुधार

- विनियमन में सुधार
- विवाद समाधान के लिए E-कोर्ट की भूमिका
- एक समर्पित पोर्टल का विकास करना

BPSC Mains Questions (Geogarphy)

1. हिमालयी नदियां किस प्रकार प्रायद्वीपीय नदियों से भिन्न हैं? विस्तार से समझाइये।
2. भारत में धारवाड़ संरचना की विशेषताओं उल्लेख कीजिये। साथ ही यह भी स्पष्ट कीजिये कि यह कुडप्पा से किस प्रकार भिन्न हैं ?
3. प्रादेशिक विभाजन के आधार पर हिमालय के भू-आकृतिक प्रदेशों का विशेषताओं सहित विस्तार से वर्णन कीजिये।
4. भारत के पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट में अंतर को स्पष्ट कीजिये।
5. भारतीय जलवायु को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों का विस्तार से वर्णन कीजिये।
6. भारत के मानसून का परिवर्तनशील स्वभाव किस प्रकार से भारतीय कृषि को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है? विहार के विशेष संदर्भ में इसकी व्याख्या कीजिये।
7. बिहार में मृदा से संबंधित समस्याओं का उल्लेख करते हुए मृदा संरक्षण के लिये अपनाए जाने वाले उपायों का उल्लेख कीजिये।
8. हरित क्रांति ने भारत में अन्न उत्पादन को बढ़ाया है परंतु साथ ही इसने आनेक पर्यावरणीय समस्याए भी उत्पन्न कर दी हैं। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिये।
9. भारत में पाए जाने वाले प्रमुख खनिजों का विस्तार से उल्लेख करते हुए यह भी स्पष्ट करें कि बिहार का इसमें क्या योगदान है? स्पष्ट कीजिये।
10. भारत में पाए जाने वाले प्रमुख खनिजों का विस्तार से उल्लेख करते हुए देश के आर्थिक विकास में इसके योगदान को रेखांकित कीजिये। साथ ही नई खनिज नीति पर प्रकाश डालिये।
11. कृषि आधारित उधोगों के स्थानीयकरण को प्रभावित करने वाले कारकों का विस्तार से वर्णन कीजिये।
12. भारत के प्रमुख बड़े पैमाने के उधोग भौगोलिक दृष्टि से कुछ विशेष क्षेत्रों मे ही स्थापित हो पाएं है इसके प्रमुख कारणों का उल्लेख कीजिये। साथ ही देश के प्रमुख बुनियादी उधोगों की व्याख्या कीजिये।
13. ग्लोबल वार्मिंग क्या है? ग्लोबल वार्मिंग से होने वाले प्रभवों को कम करने के लिये किए जानें वाले प्रयासों में भारत का क्या योगदान है ? चर्चा कीजिये।
14. वर्तमान में भारतीय कृषि की प्रमुख समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए इनके निवारण के लिये उपाय बताएं, साथ ही भारतीय कृषि के विकास हेतु सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रमुख कार्यक्रमों की व्याख्या कीजिये।
15. जनांकिकी लाभांश से आप क्या समझते हैं? यू.एन.एफ.पी.ए की रिपोर्ट के अनुसार भारत विशेष रूप से बिहार इससे लाभ उठाने के अवसर किस समय तक प्राप्त होंगें? बिहार द्वारा इस संदर्भ में में उठाए गए कदमों व्याख्या कीजिये।
16. बिहार राज्य में विद्यमान प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों के नाम लिखिये। इनमें से किन्ही दो संसाधनों को चुनकर उन क्षेत्रों को दर्शाइएं जहां यह पाए जाते हैं, साथ ही बिहार के आर्थिक विकास में इनके महत्व का वर्णन कीजिये।
17. 'नीली अर्थव्ययवस्था की पहचान राष्ट्रीय विकास के दस प्रमुख आयामों में से एक के रूप में की जाती है' उपर्युक्त कथन के आलोक

में अर्थव्यवस्था के लिये इसके महत्व पर चर्चा कीजिये।

18. महासागर द्वि-ध्रुवीय गति क्या है? इसका वर्ष 2022 में भारत में मानसून की अनियमितता से क्या संबंध था? व्याख्या कीजिये। इस अनियमितता ने खाद्य उत्पादन और अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ा?
19. विभिन्न शैलक्रमों का परिचय देते हुए इनकी विविध विशेषताओं पर चर्चा कीजिये।
20. ज्वालामुखी क्रियाएं विभिन्न स्थलाकृतियों का निर्माण करते हैं। भातीय संदर्भ में इसकी व्याख्या कीजिए।
21. भारत का क्षैतिज विस्तार के कारण अक्सर 2 समय ज़ोन के निर्माण की चर्चा होती रहती है। समय ज़ोन को परिभाषित करते हुए भारत में दो समय ज़ोन के निर्माण का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
22. हिमालय की उत्पत्ति की व्याख्या कीजिए। साथ ही इस बात की चर्चा कीजिए कि हिमालय क्षेत्र में अधिक भूकंप की संभावना क्यों होती है।
23. उच्चावच के आधार पर भारत के भौतिक विभागों का उल्लेख कीजिए? साथ ही पश्चिमी तटीय मैदानों का भौगोलिक विस्तार, स्थिति और आर्थिक महत्व की चर्चा कीजिए।
24. भारतीय मानसून की उत्पत्ति और प्रभावित करने वाले कारकों की विस्तृत चर्चा कीजिए।
25. भारत एक कृषि प्रधान देश है और इसकी लगभग आधी आबादी कृषि क्षेत्र में कार्यरत है। इसके बावजूद कृषकों की आय बहुत कम। भारत में कृषि की स्थिति, समस्याएं और सरकार द्वारा समस्याओं के समाधान के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों का उल्लेख कीजिए।
26. भारत में कृषि आधारित उद्योगों की असीम संभावना है। इसके बावजूद भारत इसका समुचित दोहन और विस्तार करने में असफल रहा है। चर्चा कीजिये
27. उद्योग से संबंधित बुनियादी आवश्यकताएं, प्रभावित करने वाले कारक और समस्याओं के समाधान के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की चर्चा कीजिए।
28. भारत की बढ़ती जनसंख्या असीम विकासशील संभावनाओं के साथ-साथ संसाधन पर बोझ भी है। आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
29. पश्चिमी घाट की तुलना में हिमालय में भूस्खलन की घटनाओं के प्रायः होते रहने के कारण बताइए।
30. हिमांक-मंडल (क्रायोस्फेयर) वैश्विक जलवायु को किस प्रकार प्रभावित करता है?
31. 'नीली क्रांति' को परिभाषित करते हुए भारत में मत्स्यपालन की समस्याओं और रणनीतियों को समझाइये।
32. वैश्विक तापन का प्रवाल जीवन तंत्र पर प्रभाव का उदाहरणों के साथ आकलन कीजिए।
33. पश्चिमी घाट की नदियाँ डेल्टा नहीं बनातीं। क्यों?
34. महासागरीय लवणता में विभिन्नताओं के कारण बताइए।
35. भारत में औद्योगिक गलियारों का क्या महत्व है?
36. भारत को एक उपमहाद्वीप क्यों माना जाता है?
37. परि-प्रशान्त क्षेत्र के भू-भौतिकीय अभिलक्षणों का विवेचन कीजिए।
38. जल प्रतिबल (वाटर स्ट्रैस) का क्या मतलब है?
39. मैंग्रोवों के रिक्तीकरण के कारणों पर चर्चा कीजिए।
40. भारत में अंतर्देशीय जल परिवहन की समस्याओं एवं सम्भावनाओं को बताइये।

41. 'महाद्वीपीय विस्थापन' के सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं?
42. संसार के शहरी निवास-स्थानों में ताप - द्वीपों के बनने के कारण बताइए।
43. महासागरीय धाराओं की उत्पत्ति के उत्तरदायी कारकों को स्पष्ट कीजिए।
44. भारत में कृषि के वितरण और विकास को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारकों का परीक्षण करें। विभिन्न क्षेत्रों में कृषि पद्धतियों के पैटर्न को आकार देने में जलवायु, मिट्टी के प्रकार और स्थलाकृति की भूमिका पर प्रकाश डालें। विविध कृषि जलवायु क्षेत्रों में किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करें और सतत कृषि विकास के लिए उपाय सुझाएं।
45. भारत के क्षेत्रीय विकास पर भौगोलिक विशेषताओं के प्रभाव पर चर्चा करें। जांच करें कि हिमालय, पश्चिमी घाट और सिंधु-गंगा के मैदान सहित विविध स्थलाकृति ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों, निपटान पैटर्न और कृषि प्रथाओं को कैसे प्रभावित किया है। अपने विश्लेषण का समर्थन करने के लिए विशिष्ट उदाहरण प्रस्तुत करें।
46. भारतीय उपमहाद्वीप की भौगोलिक विशेषताओं पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर चर्चा करें। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न विशिष्ट चुनौतियों का विश्लेषण करें और इसके प्रभावों को कम करने के लिए स्थायी रणनीतियों का प्रस्ताव करें।
47. भारत में प्रमुख नदियों के वितरण को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारकों पर चर्चा करें। ये नदियाँ उन क्षेत्रों के सामाजिक आर्थिक विकास में किस प्रकार योगदान देती हैं जहाँ से वे प्रवहित होती हैं? अपने उत्तर के समर्थन में उदाहरण प्रस्तुत करें।
48. प्रायद्वीपीय भारत के भूगोल और जलवायु को आकार देने में पश्चिमी घाट के महत्व पर चर्चा करें। पश्चिमी घाट के पारिस्थितिक महत्व और क्षेत्रीय जैव विविधता को प्रभावित करने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डालें। साथ ही, पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी तंत्र के सामने आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण करें और टिकाऊ संरक्षण के उपाय सुझाएं।
49. भारत की जलवायु और जल निकासी पैटर्न को आकार देने में हिमालय पर्वत श्रृंखला के महत्व की व्याख्या करें। हिमालय किस प्रकार मानसून प्रणाली को प्रभावित करता है और देश की कृषि उत्पादकता में योगदान देता है? चर्चा कीजिये।
50. जीवाश्म ईंधन की बढ़ती हुई कमी के कारण भारत में परमाणु ऊर्जा का महत्व अधिकाधिक बढ़ रहा है। परमाणु ऊर्जा बनाने के लिए आवश्यक कच्चे माल की भारत व संसार में उपलब्धता की विवेचना कीजिए।
51. विश्व की प्रमुख पर्वत श्रृंखलाओं के संरेखण का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए तथा उनके स्थानीय मौसम पर पड़े प्रभावों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
52. आर्कटिक की बर्फ और अंटार्कटिक के ग्लेशियरों का पिघलना किस तरह अलग-अलग ढंग से पृथ्वी पर मौसम के स्वरूप और मनुष्य की गतिविधियों पर प्रभाव डालते हैं? स्पष्ट कीजिए।